

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड,
ननूरखेड़ा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1 (बेसिक)

देहरादून:

दिनांक: 31 मई, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-2011 के आयोजनागत पक्ष की योजनाओं हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28.07.2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु बेसिक शिक्षा की विभिन्न योजनाओं पर व्यय हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में रु0 57,98,19,000/- (रुपये सत्तावन करोड़ अठानवें लाख उन्नीस हजार मात्र) की धनराशि निम्न प्रतिबन्धों के साथ आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. आयोजनागत योजनाओं में स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष आहरण/व्यय मासिक व्यय की सारिणी बनाकर केवल चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा तक ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त हो जायेगी।
- (2) व्यय करते समय शासन द्वारा मितव्ययिता के विषय में निर्गत आदेश, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008, बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका आदि नियमों का अनुपालन किया जाएगा।
- (3) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।

आदेश

- (4) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिये कदापि न छोड़ी जाय।
- (5) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्याधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (6) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों की विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (7) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें। उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
- (8) अवशेष धनराशि की जिलावार फॉट एवं अनुदान संबंधी योजनाओं के गत वर्ष स्वीकृत धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र इसी माह के अन्त तक शासन को प्रस्तुत कर दिये जायें, तभी अवशेष धनराशि की स्वीकृत निर्गत किया जाना सम्भव होगा।
- (9) स्वीकृत धनराशि की जिलावार फॉट संबंधित जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

3. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आये-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के पत्र संख्या-106/XXVII(1)/2010, दिनांक 24.05.2010 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुक्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।
संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(मनीषा पंवार)
 सचिव।

✓ संख्या व दिनांक तदैव।

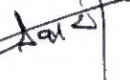
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105, इन्द्रानगर, देहरादून।

3. राज्य परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड सभी के लिये शिक्षा परिषद्, देहरादून।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)।
5. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
6. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(ओ०पी०तिवारी)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या-711/XXIV(1)/2010-16/2010, दिनांक 31 मई, 2010 का संलग्नक।

लेखाशीर्षक		आयोजनागत (रु० हजार में)
राजस्व लेखा		
2202-	सामान्य शिक्षा	
01-	प्रारम्भिक शिक्षा	
001-	निदेशन तथा प्रशासन	
01-	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें	
0102-	विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध	
	20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	217053
0101-	राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम (2/3 केन्द्र पोषित)	
	20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	75000
17-	शिक्षक बन्धुओं को मानदेय का भुगतान	
	20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	200
800-	अन्य व्यय	
01-	केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना	
0104-	सर्व शिक्षा अभियान (40% राज्यांश)	
	20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	287566
	योग:-	579819

(रूपये सत्तावन करोड़ अठानवें लाख उन्नीस हजार मात्र)

(ओ०पी०तिवारी)
उप सचिव।